**भारत सरकार**

**रक्षा मंत्रालय**

**रक्षा अनुसंधान तथा विकास विभाग**

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 1312**

**14 मार्च, 2017 को उत्तर के लिए**

**रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के कार्यकरण में सुधार लाया जाना**

**1312. श्रीमती जया बच्चन:**

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

1. देश में रक्षा उपकरणों के विकास तथा उन्नयन में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा दिए गए योगदान का ब्यौरा क्या है;
2. विगत तीन वर्षों तथा चालू वर्ष के दौरान विभिन्न रक्षा परियोजनाओं पर रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन द्वारा कुल कितना व्यय किया गया है;
3. क्या रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन में वैज्ञानिकों तथा अन्य कर्मचारियों की संख्या पर्याप्त है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं तथा इस संबंध में क्या सुधारात्मक उपाय किए गए हैं; और
4. क्या सरकार रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के कार्यकरण में सुधार लाने के लिए उपाय सुझाने के लिए कोई आयोग गठित करने का विचार रखती है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

**उत्तर**

**रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (डॉ. सुभाष भामरे)**

(क) रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), रक्षा मंत्रालय का अनुसंधान एवं विकास स्कंध प्रमुख रूप से सशस्त्र सेनाओं के लिए उनकी विशिष्ट गुणात्मक आवश्यकताओं के अनुसार मिसाइलों, मानवरहित हवाई वाहनों, रडारों, इलेक्ट्रानिक युद्धस्थिति प्रणालियों, सोनार, युद्धक वाहनों, युद्धक विमानों, सेंसरों इत्यादि के क्षेत्रों में सामरिक, जटिल एवं सुरक्षा संबंधी संवेदनशील प्रणालियों के अभिकल्पन एवं विकास में सम्मिलित है। विगत पांच दशकों में डीआरडीओ ने अनेक प्रणालियों/उत्पादों/प्रौद्योगिकियों का विकास/उन्नयन किया है, जिनमें से अनेक की पहले ही उत्पादन प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। डीआरडीओ द्वारा विकसित/उन्नयन की गई और सेना में अधिष्ठापित होने अथवा अधिष्ठापन की प्रक्रियारत प्रणालियों / उत्पादों / प्रौद्योगिकियों का मूल्य 2.50 लाख करोड़ रुपए है। इस राशि में सामरिक प्रणालियां सम्मिलित नहीं हैं।

- 2 -

(ख) डीआरडीओ द्वारा विगत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान विभिन्न परियोजनाओं पर किया गया कुल व्यय निम्नवत हैः-

|  |  |
| --- | --- |
| **वर्ष** | **व्यय (रुपए करोड़ में)** |
| 2013-14 | 3568.53 |
| 2014-15 | 3936.78 |
| 2015-16 | 4418.60 |
| 2016-17  (28 फरवरी, 2017 तक) | 3614.75 |

(ग) डीआरडीओ की वर्तमान कार्मिक संख्या सरकार द्वारा स्वीकृत की गई प्राधिकृत संख्या पर आधारित है। मिशन आधारित संगठन होने के कारण, डीआरडीओ कार्मिक शक्ति योजना की एक गतिशील प्रणाली का पालन करता है। कार्यभार और डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं द्वारा प्रारंभ की गई नई परियोजनाओं के कारण आकस्मिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्राधिकृत नियमित स्थापना (आरई) की आवधिक रूप से समीक्षा की जाती है। संगठन गतिशील कार्मिक शक्ति प्रबंधन प्रणाली के जरिए कार्मिक शक्ति का इष्टतम उपयोग करता है। विभिन्न संवर्गों में डीआरडीओ की कार्मिक शक्ति की वर्तमान संख्या को नीचे सारणी में दर्शाया गया हैः-

|  |  |
| --- | --- |
| **संवर्ग** | **संख्या** |
| रक्षा अनुसंधान एवं विकास सेवा (डीआरडीएस) | 7410 |
| रक्षा अनुसंधान एवं तकनीकी संवर्ग (डीआरटीसी) | 9220 |
| प्रशासन संवर्ग | 2936 |
| सम्बद्ध संवर्ग | 2880 |
| सेना अधिकारी | 334 |
| अन्य सेना कार्मिक | 1617 |
| **कुल** | 24397 |

(घ) वर्तमान में, डीआरडीओ की कार्यप्रणाली में सुधार लाने के लिए उपाय सुझाने हेतु कोई आयोग गठित करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

\*\*\*